आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
सीरा बडी और इसका मूल्यवर्धन
2023-24

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	जगदम्बा स्वयं सहायता समूह
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	लखदाता पीर
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	स्वारघाट
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर
हि प्र व पा त प्र और आ सु प जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफटीयू स्वारघाट और " जगदम्बा " स्वयं सहायता समूह	

विषय सूची

विवरण	पृष्ठ
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	3
स्वयं सहायता समूह का विवरण	4-6
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	8
उत्पादन प्रक्रियाएं	8
उत्पादन योजना का विवरण	8-9
विपणन / बिक्री का विवरण	9
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
स्वोट अनालिसिस	10
अर्थशास्त्र का विवरण	11-13
आय और व्यय का विश्लेषण	13-14
फंड की आवश्यकता	14
निधि के स्रोत	14-15
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	15
सम-विच्छेद बिंदु की गणना	15
आय के अन्य स्रोत	15
बैंक ऋण चुकौती	15-16
निगरानी विधि	16
टिप्पणियां	17-18

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसका आबादी घनत्व काफी है ।

यह जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते मंडी कुल्लू शिमला, सोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ता है ।

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा हैं। तथा भाखड़ा बाँध के निर्माण के पश्चात् इस जिले का अधिकतर उपजाऊ भू क्षेत्र जलमग्न हो गया है ।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

लखदाता पीर ग्रामीण वन विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। इनमें से एक, "जगदम्बा " स्वयं सहायता समुह, सीरा बडी निर्माण से संबंधित है । समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने सीरा बडी बनाने का फैसला किया। जिसमें डॉ0 उल्शीदा,विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल बिलासपुर, अजय कुमार , वन रक्षक बैहल बीट,वन खंड अधिकारी स्वाहण श्रीमती नीलम कुमारी और पूनम ठाकुर एफ टी यु कोऑर्डिनेटर स्वारघाट शामिल रहे ।

कार्यकारी सारांश

लखदाता पीर वन ग्रामीण विकास समिति:-

लखदाता पीर ग्रामीण वन विकास समिति लखाला राजस्व गांव में व्यवस्थित है। इस ग्रामीण वन विकास समिति का गठन ग्राम लखाला में किया गया है। यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के स्वाहण ब्लॉक में स्थित है लखाला ग्रामीण वन विकास समिति बिलासपुर वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) के स्वारघाट वन परिक्षेत्र के तहत स्वाहण वन खण्ड के बैहल बीट के अंतर्गत आता है ।

परिवारों की संख्या	105
बीपीएल परिवार	46
कुल जनसंख्या	444

1.स्वयं सहायता समूह का विवरण

अनौपचारिक जगदम्बा स्वयं सहायता समूह का गठन लखदाता पीर ग्रामीण वन विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। जगदम्बा स्वयं सहायता समुह महिला समूह (10महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन सिंचाई की सुविधा कम होने के कारण और जंगली जानवरों से फसलो के नुकसान के कारण उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। समूह की दस महिलाओ में से 7 ने सीरा बडी बनाने का कार्य करने का निर्णय लिया जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 10 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	श्रीमती अंजु बाला w/o हीरा लाल	प्रधान	सामान्य	37	+2	8894415183
2.	" तृप्ता देवी w/o मोहित	सचिव	—"—	28	+2	8360075420
3.	" वन्दना देवी w/o ओंकार	कोषाध्यक्ष	अनु0 जाति	32	+2	8968836194
4.	" राजरानी w/o बग्गा राम	सदस्य	सामान्य	62	5th	9736595709
5.	" वन्दना देवी w/o अभिमन्यु	—"—	—"—	30	+2	9805207940
6.	" बिमला देवी w/o प्रीतम सिंह	—"—	—"—	58	—	8219313573
7.	" कलो देवी w/o नेकराम	—"—	अनु0 जाति	60	—	8894433354
8.						
9.						
10.						
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						

फोटो के साथ एसएचजी सदस्यों का विवरण

अंजू गर्ग (प्रधान)

सपना देवी (सचिव)

वंदना देवी (कोषाध्यक्ष)

राजरानी

वंदना देवी

बिमला देवी

कलो देवी

2.जगदम्बा स्वयं सहायता समूह लखाला

एसएचजी का नाम	::	जगदम्बा
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	लखदाता पीर
परिक्षेत्र	::	स्वारघाट
वन मण्डल	::	बिलासपुर
गांव	::	लखाला
खंड	::	स्वाहण
ज़िला	::	बिलासपुर
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	10
गठन की तिथि	::	17-09-2023
बैंक का नाम और विवरण	::	Co-oprative Bank Swarghat
बैंक खाता संख्या	::	11810108880
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100/-माह
कुल बचत	::	9000/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	
चुकौती स्थिति		-

3.गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	30 किमी(वाया फोरलेन)
मेन रोड से दूर	: :	7 किमी
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	बैहल 3 किमी
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	: :	किरतपुर 12 किमी, स्वारघाट 15किoमीo, बिलासपुर 30 किमी लगभग।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	किरतपुर , स्वारघाट, बिलासपुर
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	: :	-

स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	बैहल 3 किमी,किरतपुर 12 किमी,
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	किरतपुर 12 किमी, स्वारघाट 15किoमीo, बिलासपुर 30 किमी लगभग।

4.आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	सीरा, मशबडी, मूंग बड़ी, सोया बड़ी, सेपू बड़ी,
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	जेआईसीए कर्मचारियों के साथ समूह ने आजीविका गतिविधि की पहचान करने के लिए कई बैठकें कीं और इलाके में कच्चे माल की उपलब्धता, उत्पाद विपणन स्थिति तैयार करने के लिए कौशल जैसे कुछ मुद्दों पर चर्चा की और फिर सभी एसएचजी शुरू में और बाद में सीरा और बड़ी बनाने को अपनाने के लिए सहमत हुए। इसी तरह की प्रक्रिया के और उत्पाद जोड़े जाएंगे।
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	सभी एसएचजी सदस्य सहमत हैं और सभी सहमति से प्रस्ताव पारित किया गया है।

5. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

- दल मूंग, माह, मसर्दाल और दंथल, सेपू बडी और गेहूं के बीज की सीरा की बड़ी बनाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा पूरे वर्ष की जाएगी।
- बड़ी बनाने की प्रक्रिया में सीरा बनाने में लगभग 3 दिन 12-15 दिन का समय लगता है।
- धारणा/अनुभव के आधार पर -1 किलोग्राम बड़ी 1.25-1.50 किलोग्राम दाल और 150-200 ग्राम मसाला (कालीमिर्च, बड़ी इलायची, अजवाइन, जीरा आदि) से निर्मित होगी। सीरा भी 1 किलोग्राम माना जाता है।
- उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, भिगोने, पीसने, मिलाने, सुखाने आदि जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं।
- प्रारंभ में समूह प्रति माह 220 किलोग्राम बड़ी और 100 किलोग्राम सीरा का निर्माण करेगा और भविष्य में, समूह मांग के अनुसार निर्माण करेगा और अन्य उत्पाद भी बनाएगा जो समान उत्पादन प्रक्रिया का पालन करते हैं।

6. उत्पादन योजना का विवरण

1	उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	बड़ी के लिए 3 दिन और सीरा . के लिए 12-15 दिन
2	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (सं।)	::	सभी महिलाएं
3	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
5	प्रति चक्र आवश्यक मात्रा (किलो)	::	बड़ी के लिए 300 किलो दाल और 4.5-5 किलो मसाला और 400 किलो गेहूं के बीज

			(शुरुआत में)
6	प्रति चक्र अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	200 किलो सीरा और 25 किलो बडी

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

अनु क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा	राशि प्रति किलो (रु.)	कुल रकम	अपेक्षित उत्पादन मासिक (किग्रा)
1	दाल	किलोग्राम	महीने के	300	120	36,000	
2	मसाला	किलोग्राम	महीने के	45	200	10,000	250
	गेहूं के बीज	किलोग्राम	महीने के	400	20	8,000	200

7.विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाजार स्थान	::	स्थानीय बाजार, किरतपुर.स्वारघाट बिलासपुर, 12 किमी और15, 30 किमी।
2	इकाई से दूरी	::	
3	बाजार में उत्पाद की मांग / एस	::	उत्सव और शादी के अवसरों के समय दैनिक मांग और उच्च मांग।
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार में मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता / थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद निकट बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति		एसएचजी सदस्य अपने उत्पाद को सीधे गांव की दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से बेचेंगे। इसके अलावा खुदरा विक्रेता द्वारा, निकट बाजारों के थोक व्यापारी। प्रारंभ में उत्पाद को 1 किलोग्राम पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर सीआईजी/एसएचजी की ब्रांडिंग करके उत्पाद का विपणन किया जाएगा। बाद में इस IGA को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद "नारा"		"एसएचजी जगदम्बा लखाला का एक उत्पाद"

8.सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

9.स्वोट विश्लेषण

❖ ताकत-

- गतिविधि पहले से ही कुछ एसएचजी सदस्यों द्वारा की जा रही है
- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- निर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद शेल्फ जीवन लंबा है

❖ कमज़ोरी-

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रमसाध्य कार्य।
- सर्दी और बरसात के मौसम में उत्पाद निर्माण चक्र बढ़ेगा

❖ अवसर-

- फेस्टिव और शादी के मौके पर ज्यादा डिमांड
- बाजारों का स्थान
- सभी मौसमों में सभी खरीदारों द्वारा दैनिक/साप्ताहिक खपत और उपभोग

❖ खतरे/जोखिम-

- विशेष रूप से सर्दी और बरसात के मौसम में निर्माण और पैकेजिंग के समय तापमान, नमी का प्रभाव।
- कच्चे माल के दामों में अचानक हुई बढ़ोतरी
- प्रतिस्पर्धी बाजार

10.अर्थशास्त्र का विवरण:

एक।	पूंजी लागत			
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु।)**
1	स्थापना के साथ ग्राइंडर मशीन (1-2 एचपी)।	1	20000	20,000
2	पानी का टब (40-50 लीटर)	3	500	1500
3	भंडारण के लिए ड्रम- पानी, दालकाकच्चामालआदि- (80-100 लीटर) - प्लास्टिक	3	1000	3000
4	प्लास्टिक शीट (उदाहरण-40*60 इंच)			2000
5	प्लास्टिक मग			1000
6	रसोईघर के उपकरण			4000
7	पानी की छलनी			1000
8	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी / रैक			5000
9	डिजिटल वेइंग स्केल मशीन	2	1000	1000
10	पॉली सीलिंग टेबल टॉप हीट सीलर पाउच प्लास्टिक पैकेजिंग मशीनें	1	2000	2000
11	एप्रन, टोपी, प्लास्टिककेहाथकेदस्तानेआदि			2000
12	कुर्सियाँ, मेज			5000
13	मिक्सर	1	6000	6000
14	सेवियों की मशीन	1	27000	27000
15	सेप्पू बड़ी बनाने की भट्टी	1	2,200	2,200
	कुल पूंजीगत लगत (ए)			**82700/-**
बी।	**आवर्ती लागत**			

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रुपये)
1	कच्चा माल (दाल)	किग्रा/माह	300	120	36,000
	कच्चा माल (गेहूंकेबीज)	किग्रा/माह	400	20	8000
2	कच्चा माल (मसाला)	किग्रा/माह	45	200	9000
3	किराया	महीना	1	200	200
4	श्रम (एसएचजीसदस्योंद्वाराकिया जाएगा)	5 घंटा	150	50	7500
5	पैकेजिंग सामग्री	महीना	1	300	300
6	यातायात	महीना	1	500	500
7	अन्य (स्थिर, बिजली, पानीकाबिल, मशीनकीमरम्मत)	महीना	1	1000	1000
	आवर्ती लागत				62500
कुल आवर्ती लागत B = **(आवर्तीलागत-श्रमलागत) कार्य/श्रमकेरूपमेंस्वयंसहायतासमूहकेसदस्योंद्वाराकियाजाएगा।**					**55,000**

सी।	**उत्पादन की लागत (मासिक)**	
क्रमांक	**विवरण**	राशि (रुपये)
1	कुल आवर्ती लागत	55,000
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	8270
	कुल	**63270**

डी।	विक्रय मूल्य गणना (प्रतिचक्र)				
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रुपये)	
1	बनाने की किमत	किलो ग्राम	1	50+190= 240	उत्पादन की मात्रा बढ़ने पर यह घटेगा
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलो ग्राम	1	सीरा के लिए 150-180 औरबडी केलिए300	
3	एसएचजी द्वारा अपेक्षित बिक्री मूल्य	रुपये	1	सीरा के लिए 180 औरबडी केलिए260	

11.आय और व्यय का विश्लेषण (महीनेके):

क्रमांक	विवरण	राशि (रुपये)
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	8270
2	कुल आवर्ती लागत	55,000
3	प्रति माह कुल उत्पादन (किग्रा)	सीरा के लिए 200 औरबडी केलिए250 (मात्रा)
4	विक्रय मूल्य (प्रतिकिग्रा)	सीरा के लिए 180 औरबडी केलिए260
5	सीरा के लिए आय सृजन (200*180) और बड़ी के लिए (250*260)।	सीरा के लिए 36000 और बड़ी के लिए 65,000 कुल = 101000

6	शुद्ध लाभ (101000-55000)	46000
7	शुद्ध लाभ का वितरण	• लाभ मासिक/वार्षिकआधारपरसदस्योंकेबीचसमानरूपसेवितरितकियाजाएगा। • लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। • लाभ का उपयोग IGA मेंआगेकेनिवेशकेलिएकियाजाएगा

12.धन की आवश्यकता :

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रुपये)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	82700	62025	20675
2	कुल आवर्ती लागत	55,000	0	55,000
3	प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशलउन्नयन			
	कुल	**137700**	**62025**	**75675**

टिप्पणी-

- **पूंजीगतलागत –** पूंजीगत लागत का 75% परियोजना के तहत कवर किया जाना है
- **आवर्ती लागत –** एस एच जी/सी आई जी द्वारा वहन किया जाएगा।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशलउन्नयन –** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

13.फंड के स्रोत:

परियोजना का समर्थन;	• पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा दिया जाएगा • एसएचजी बैंक खाते (रिवॉल्विंग फंड के रूप में) में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनरी/उपकरणों की खरीद की जाएगी।

	की जाएगी। • यदि एसएचजी बैंक से ऋण लेता है तो डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। एसएचजी को मूल राशि की किश्तों का भुगतान नियमित आधार पर करना होता है।	
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा • एसएचजी द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत	

14.प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

15.सम-विच्छेद बिंदु की गणना

= पूंजीगत व्यय/बिक्री मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा)

=सीरा के लिए 82700 / (180-50)= 636 किग्रा

= बड़ी के लिए 82700 /(260-190)= 1181 किग्रा

इस प्रक्रिया में 636 किलो सीरा और1181 किलो बड़ी की बिक्री के बाद ब्रेक इवन हासिल किया जाएगा।इसलिए 4-5 महीनों में ब्रेक इवन हासिल कर लिया जाएगा।

16. आय के अन्य स्रोत:

ग्रामीणों/स्थानीय लोगों की दाल, गेहूं, मक्का आदि पीसने से आय।

17.बैंक ऋण चुकौती-यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।
- परियोजना सहायता - डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन साल के लिए होगी। SHG/CIG को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा

18.निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचा गया सामान
- बाजार पहुंच

19टिप्पणियां

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है राज्य पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (सीरा व बड़ी बनाना) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र.स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्रीमती अंजु गर्ग W/o हीरालाल	प्रधान	सामान्य	37	Anju Garg
2.	सपना देवी W/o मोहित	सचिव	—"—	28	Sapna Devi
3.	वन्दना देवी W/o ओमप्रकाश (कोषाध्यक्ष)		अनु०जाति	32	Bandna Devi
4.	राजरानी W/o कश्मीरी सिंह	सदस्य	सामान्य	62	राजरानी
5.	वन्दना देवी W/o अभिमन्यु	—"—	—"—	30	Vandana Devi
6.	बिमला देवी W/o प्रीतम सिंह	—"—	—"—	58	
7.	कमला देवी W/o मेहरचन्द	—"—	अनु०जाति	60	
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					

17

हस्ताक्षर Sapna Devi
सचिव स्वयं सहायता समूह
जगदम्बा स्वयं सहायता समूह
गांव लखाला,तह०श्री नैना देवी जी,
जिला-बिलासपुर (हि०प्र०)

प्रधान हस्ताक्षर Anju kumari
जगदम्बा स्वयं सहायता समूह सचिव
गांव लखाला,तह०श्री नैना देवी जी,
जिला-बिलासपुर (हि०प्र०)

हस्ताक्षर
सचिव,वन ग्रामीण विकास समिति
ग्राम पंचायत-
बहल तह० श्री नैना देवी जी
जिला-बिलासपुर (हि०प्र०

प्रधान Sharma
हस्ताक्षर
प्रधान, वन ग्रामीण विकास समिति
लखाला ग्राम पंचायत-
बहल तह० श्री नैना देवी जी
जिला-बिलासपुर (हि०प्र०

हस्ताक्षर
निरीक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

Forest Officer
Forest Range
हस्ताक्षर
Division
वन परिक्षेत्र अधिकारी

DMU Officer,
JICA Forestry Project,
Distt. Bilaspur (H.P.)
डीएमयू द्वारा स्वीकृत